



Literacy for a Billion

Movie: Izzat

Year: 1968

क्या मिलिए  
क्या मिलिए ऐसे लोगों से  
जिनकी फितरत छुपी रहे  
क्या मिलिए  
क्या मिलिए ऐसे लोगों से  
जिनकी फितरत छुपी रहे  
नकली चेहरा सामने आए  
असली सूरत छुपी रहे

क्या मिलिए ऐसे लोगों से  
जिनकी फितरत छुपी रहे  
नकली चेहरा सामने आए  
असली सूरत छुपी रहे

खुद से भी जो खुद को छुपाए  
क्या उनसे पहचान करें  
क्या उनके दामन से लिपटें  
क्या उनका अरमान करें  
खुद से भी जो खुद को छुपाए  
क्या उनसे पहचान करें  
क्या उनके दामन से लिपटें  
क्या उनका अरमान करें  
जिनकी आधी नियत उभरे  
आधी नियत छुपी रहे

नकली चेहरा सामने आए  
असली सूरत छुपी रहे

दिलदारी का ढोंग रचाकर

Song: Kya Miliye Aise Logon Se

Lyricist: Sahir Ludhianvi

जाल बिछाए बातों का  
जीतेजी का रिश्ता कहकर  
सुख ढूँढ़े कुछ रातों का  
दिलदारी का ढोंग रचाकर  
जाल बिछाए बातों का  
जीतेजी का रिश्ता कहकर  
सुख ढूँढ़े कुछ रातों का

रूह की हसरत लब पर आए  
जिस्म की हसरत छुपी रहे  
नकली चेहरा सामने आए  
असली सूरत छुपी रहे

जिनके जुल्म से दुखी है जनता  
हर बस्ती हर गाँवों में  
दया धरम की बात करें वो  
बैठ के सजी सभाओं में  
जिनके जुल्म से दुखी है जनता  
हर बस्ती हर गाँवों में  
दया धरम की बात करें वो  
बैठ के सजी सभाओं में

दान का चर्चा घर घर पहुँचे  
लूट की दौलत छुपी रहे  
नकली चेहरा सामने आए  
असली सूरत छुपी रहे

देखें इन नकली चेहरों की  
कब तक जय जयकार चले



Literacy for a Billion

उजले कपड़ों की तह में  
कब तक काला संसार चले  
देखें इन नकली चेहरों की  
कब तक जय जयकार चले  
उजले कपड़ों की तह में  
कब तक काला संसार चले  
कब तक लोगों की नज़रों से

छुपी हकीकत छुपी रहे  
नकली चेहरा सामने आए  
असली सूरत छुपी रहे

क्या मिलिए ऐसे लोगों से  
जिनकी फितरत छुपी रहे  
नकली चेहरा सामने आए  
असली सूरत छुपी रहे

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*